



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311] नई दिल्ली, सोमवार, जून 23, 1986/आषाढ़ 2, 1908  
No. 311] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 23, 1986/ASADHA 2, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

( विधायी विभाग )

नई दिल्ली, 23 जून, 1986

मुद्रित-पत्र

सा. का. नि. 898(प्र):—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i)  
के पृष्ठ 2 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय ( विधायी विभाग )  
की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 776(प्र), तारीख 19 मई, 1986 में,—

(1) पृष्ठ 1 पर, स्तम्भ 2 में, —

(i) सातवीं पंक्ति में 'तारी' के स्थान पर 'तारीख' पढ़े;

- (ii) ग्यारहवीं पंक्ति में 'समन, प्रत्यर्धी पर, समन की तामील,' शब्दों के स्थान पर 'प्रत्यर्धी पर समन की तामील' पढ़ें; और
- (iii) सोलहवीं पंक्ति में 'दूसरे प्रति' के स्थान पर 'दूसरी प्रति' पढ़ें।
- (2) पृष्ठ 2 पर स्तम्भ 1 में,—
- (i) चौथी पंक्ति में 'उप-नियम (6)' के स्थान पर 'उप-नियम (5)' पढ़ें;
- (ii) तीसरी पंक्ति में 'पश्चात्' के स्थान पर 'पश्चात्' पढ़ें;
- (iii) बारहवीं पंक्ति में 'है कि, उसके' के स्थान पर 'है कि उसके' पढ़ें;
- (iv) द्वादशवीं पंक्ति में 'की गई है, सब' के स्थान पर 'की गई है सब' पढ़ें;
- (v) बीसवीं पंक्ति में 'नहीं है, 'मजिस्ट्रेट' के स्थान पर 'नहीं है मजिस्ट्रेट' पढ़ें;
- (vi) तेईसवीं और चौबीसवीं पंक्तियों में 'छोड़ा गया था उप-नियम (6) या उप-नियम (7) पृष्ठांकित होगा सार्वभित है, साक्ष्य में ग्राह्य हागा' शब्दों, काण्डकों और अंकों के स्थान पर 'छोड़ा गया था, उप-नियम (6) या उप-नियम (7) में उप-बंधित रीति से पृष्ठांकित होना सार्वभित है, साक्ष्य में ग्राह्य होंगे' पढ़ें;
- (vii) छठाईसवीं पंक्ति में "और उस न्यायालय' के स्थान पर 'और न्यायालय' पढ़ें; और
- (viii) नियम 5 के शीर्ष में "मुख्य के स्थान पर 'मुख्य' पढ़ें।

[फा. सं. 11 (27)/85—घ. III]

जी. के. ईमराणी, संयुक्त सचिव एवं विद्यार्थी परामर्श